डोरीन ख़ान

रसूल और ऐल्सी की बेटी डोरीन ख़ान का जन्म शैफ़ील्ड में 1929 में हुआ। 17 वर्ष की उम्र में अपने परिवार के साथ वे लिवरपूल आईं।

डोरीन ने स्टेनली रोड पर अपने माता पिता की दुकान में काम किया और पाकिस्तानी थीएटर के साथ अपने पिता की सहायक 'ज़रीना' के तौर पर गईं। इस यात्रा के दौरान हेलसिंकी में वे 1952 में बहादुर ख़ान से मिलीं। दो वर्ष बाद इन्होंने विवाह कर लिया और किंबरली स्ट्रीट में रहने लगीं। बहादुर व्यापारी नाविक थे, और अधिकतर काम वे घर से दूर रह कर करते थे, और डोरीन अपने बच्चों अनवर, इदरीस और हुसैन का पालन करती थीं।

1963 में बहादुर ने बसों में नई नौकरी ले ली ताकि वे अधिक समय अपने परिवार के साथ बिता सकें। अपने जीवन के अंतिम 16 वर्ष बहादुर ने प्लैसीज़ में पक्के तौर पर रात की शिफ़्टों में काम करते बिताए। 1967 में डोरीन ने ऐनट्री में मैटल बाक्स में काम शुरू किया। जब 1970 के दशक पाकिस्तानी सेंटर शुरू हुआ, तो डोरीन ने इसके कामों में भाग लेना शुरू किया।

डोरीन 1991 में रिटायर हुईं और अब भी लिवरपूल में रहती हैं।